भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2878

28 मार्च, 2022 को उत्तर के लिए

इस्पात उत्पादन क्षमता और आयात का प्रतिशत

2878. श्रीमती शांता क्षत्री:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश की कुल इस्पात उत्पादन क्षमता कितनी है और देश द्वारा कितने प्रतिशत इस्पात का आयात किया जाता है;

(ख) इस्पात उत्पादन को बढ़ाने के लिए क्या-क्या कदम उठाए गए हैं और कितने समय में देश इस्पात के उत्पादन में आत्मनिर्भर बन पाएगा;

(ग) क्या सरकार ने इस संबंध में लक्ष्य तय किया है; और

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

इस्पात मंत्री **(श्री राम चन्द्र प्रसाद सिंह)**

(क): वर्ष 2020-21 के दौरान देश की कुल कच्चा इस्पात उत्पादन क्षमता 143.91 मिलियन टन थी। वर्ष 2020-21 के दौरान खपत में आयतों की हिस्सेदारी के साथ कुल तैयार इस्पात की खपत और आयात के आंकड़े नीचे दर्शाए गए हैं:

वर्ष	**कुल तैयार इस्पात**		
	आयात (एमटी)	**खपत (एमटी)**	**खपत में आयात की % हिस्सेदारी**
2020-21	4.75	94.89	5.0
स्रोत: जेपीसी; एमटी=मिलियन टन			

(ख) से (घ): भारत विश्व में दूसरा सबसे बड़ा इस्पात उत्पादक है और निवल निर्यातक है। कुछ खास प्रकार के इस्पात का भी आयात किया जाता है। देश में इस्पात उत्पादन को बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं:-

(i) मेड इन इंडिया इस्पात की अधिप्राप्ति को बढ़ावा देने हेतु घरेलू रूप से विनिर्मित लौह एवं इस्पात उत्पाद (डीएमआई एंड एसपी) नीति को अधिसूचित करना।

(ii) घरेलू रूप से उत्पन्न स्क्रैप की उपलब्धता को बढ़ाने के लिए इस्पात स्क्रैप पुनर्चक्रण नीति को अधिसूचित करना।

(iii) गैर-मानकीकृत इस्पात के विनिर्माण और आयात को रोकने के लिए इस्पात गुणवत्ता नियंत्रण आदेश को जारी करना।

(iv) इस्पात आयातों के अग्रिम पंजीकरण हेतु इस्पात आयात निगरानी प्रणाली (एसआईएमएस)।

(v) 6,322 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ विशेष इस्पात के लिए उत्पादन-संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना।

(vi) इस्पात क्षेत्र में निवेश को आकर्षित करने और सुकर बनाने के लिए मंत्रालय में परियोजना विकास प्रकोष्ठ की स्थापना।

****